सांध्य दैनिक
4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 96 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 11 मई, 2022

सर्प, नृप, शेर, डंक मारने वाले ततैया, छोटे बच्चे, दूसरों के कुत्तों और एक मूर्ख इन सातों को नींद से नहीं उठाना चाहिए।

-चाणक्य

एक में बेल मिली तो दूसरा केस दर्ज... 8 | अब लोक सभा के चुनावी रथ पर... 3 | लोकतंत्र विरोधी संगठन हैं भाजपा... 7

अफसरों को होश नहीं, लखनऊ में बिखरे पड़े गायों के शव

4PM के विडियो से मचा हड़कंप

राजधानी के अफसरों को पैसे कमाने से मिले फुरसत तो देखें गौशाला को

» सीएम योगी के निर्देशों को हवा में उड़ा रहे हैं लखनऊ के अफसर, हुआ बुरा हाल

» चीफ सेक्रेटरी ने भी कई बार गौशाला को लेकर दिये निर्देश पर लखनऊ में आदेश ताक पर

क्षितिज कान्त

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर विधान सभा क्षेत्र के बलसिंह खेड़ा गांव मजरा परवर पश्चिम का जंगल। चारों ओर बिखरे पड़े गायों के अवशेष और शव। कहीं धड़ पड़ा है कहीं सिर। कहीं हड्डियों का अंबार। हर ओर दुर्गंध ही दुर्गंध। गऊ माता की ऐसी हालत देख कोई भी सिहर जाए। पूरे जंगल में बिखरे गायों के शव और अवशेष खुद अपनी दर्दनाक कहानी बयां कर रहे हैं। ये कंकाल अपने साथ हुई बर्बरता की गवाही दे रहे हैं। हालात बता रहे हैं कि गायों के नाम पर, गौशालाओं के नाम पर आया बजट अफसर डकार रहे हैं। इन बेजुबानों के साथ हो रही बर्बरता का सच उस समय उजागर हुआ जब 4PM की टीम यहां पहुंची। जैसे ही 4PM के यूट्यूब चैनल पर यह खबर प्रसारित हुई हड़कंप मच गया। अफसर सरोजनीनगर की ओर दौड़ पड़े।

प्रदेश की भाजपा सरकार ने अन्ना गायों को रखने के लिए गौशालाओं का निर्माण कराया है। यहां गायों को पालने से लेकर उनके मृत्यु के बाद तक के बंदोबस्त के दावे किए गए। इसके लिए सरकार हर साल भारी भरकम रकम खर्च करती है लेकिन प्रदेश की अधिकांश गौशालाओं की हालात बद से बदतर है। ताजा मामला सरोजनीनगर स्थित गौशाला का है। यहां पलने वाली गायों की मौत होने पर उन्हें बलसिंह खेड़ा गांव मजरा परवर पश्चिम के जंगल में खुले में फेंका जा रहा है। यहां गायों के अधजले शव भी मिले हैं। जंगल में बिखरे कंकाल और हड्डियों के अंबार बता रहे हैं कि इन बेजुबानों के साथ कितनी बर्बरता की गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ चीफ सेक्रेटरी के गौशालाओं को लेकर दिए गए तमाम दिशा-निर्देशों को लखनऊ में अफसरों ने ताक पर रख दिया है। अब जब 4PM यूट्यूब चैनल ने सरोजनीनगर के बलसिंह खेड़ा गांव की गौशाला से सटे जंगल में गायों के शवों का सच ग्राउंड जीरो से उजागर किया है तो अफसरों में हड़कंप मच गया। बड़ा सवाल यह है कि भारी भरकम बजट के बाद भी इन बेजुबान गायों के शवों के साथ इतनी बर्बरता क्यों की गयी? आखिर भारी-भरकम बजट कहां जा रहा है? इस दयनीय हालत के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या प्रदेश सरकार जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करेगी?

4PM के यूट्यूब चैनल पर खबर चलते ही अफसर दौड़े सरोजनीनगर

4PM ने कैमरे पर दिखाया था कैसे दूर-दूर तक फैले हैं गौवंश के टुकड़े, दिल दहल जायेगा इस विडियो को देखकर

"4PM के जरिए इसकी जानकारी मिली है। इस मामले की जांच कराई जाएगी और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब करेंगे।"

इंद्रमणि, डायरेक्टर, पशुधन विभाग

क्या है पशुओं के शवों के निस्तारण का शासनादेश

शासनदेश में गौशाला में मरने वाले पशुओं के शवों को गौशाला के अंदर या आसपास के निर्जन स्थल पर गड्ढा खोदकर चूना-नमक के साथ दफनाने का निर्देश है। इसके अलावा गड्ढे में मिट्टी भरने के बाद इसके ऊपर फिनायल डालने के भी निर्देश हैं।

क्या कहना है अधिकारी का

बीडीओ नीति श्रीवास्तव ने कहा कि जांच में कुछ जानवरों के शव बिखरे मिले हैं। यहां कई गौशालाएं और पशुपालक हैं इसलिए यह बताना मुश्किल है कि ये शव कहां से आए हैं। इस मामले की जांच करने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

विपक्ष बोला, सरकार दे जवाब

"गौशाला के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है। गाय के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा सरकार में गाय भूखी-प्यासी तड़प कर मर रही है। आखिर जंगलों में इनके शवों को कौन फेंक रहा है। इसमें सरकार के लोग शामिल हैं। इस मामले की जांच हो और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।"

सुनील सिंह साजन, सपा नेता

"गाय के नाम पर वोट लेने वाले फर्जी गौभक्तों के कुकृत्य सामने आ रहे हैं। समाज और धार्मिक लोगों को इसके विरोध में आगे आना चाहिए। भाजपा सरकार में गऊ माता की इतनी बेकदरी क्यों, सीएम इसका जवाब दें।"

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

"भाजपा का गाय प्रेम ढोंग है। उनके लिए यह चुनावी फायदे से ज्यादा कुछ नहीं। असल में भूख-प्यास से तड़पती-मरती गायों से इन्हें कोई वास्ता नहीं। गायों की बदहाली की जांच हो जाए तो सामने आ जाएगा कि भाजपा सरकार गाय पालने के नाम का सारा पैसा भी खा जाती है ।"

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

"भाजपा के लिए गाय केवल राजनीति का विषय है। गौशालाओं के नाम पर पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार किया जा रहा है। सरकार ने जितने वादे गाय को लेकर किए हैं अगर उसका दस फीसदी भी पूरा कर देती तो यह हालत न होती।"

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक टीम आरएलडी

(विस्तृत खबर 4PM यूट्यूब पर)

होम बार लाइसेंस को कैबिनेट की मंजूरी

» घर पर पीने-पिलाने के लिए ले सकेंगे लाइसेंस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब घर पर ही अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, अतिथियों और मित्रों के लिए निजी बार का लाइसेंस दिया जा सकेगा। कल कैबिनेट की बैठक में इस नियमावली में संशोधन को मंजूरी दे दी गई। अपर मुख्य सचिव संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि उप्र आबकारी (बार लाइसेंस की स्वीकृति) नियमावली (प्रथम संशोधन) 2022 और (आसवनी स्थापना) सोलहवां संशोधन नियमावली के प्रस्तावों को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। इसके तहत घर पर निजी बार खोलने के लिए लाइसेंस के प्रचलित प्रावधानों में संशोधन किया गया है।

लोग आवासीय परिसर में भारत निर्मित विदेशी मदिरा और विदेश से आयातित मदिरा अपने परिजन, रिश्तेदारों, अतिथियों व मित्रों जिनकी उम्र 21 वर्ष से कम न हो को पीने-पिलाने के लिए होम बार लाइसेंस स्वीकृत किए जा सकेंगे। यह लाइसेंस सालाना जारी होंगे। इसके लिए 12 हजार रुपये शुल्क देना होगा और बतौर सिक्योरिटी 25 हजार रुपये जमा करना होगा। वहीं खास बात यह है कि होम बार का निरीक्षण सिर्फ आबकारी आयुक्त की अनुमति से ही किया जा सकेगा। उत्तर प्रदेश आबकारी (बार लाइसेंस की स्वीकृति) नियमावली 2022 में संशोधन करते हुए बार लाइसेंस के लिए जरूरी बैठने के क्षेत्रफल को अब 200 वर्गमीटर की जगह न्यूनतम 100 वर्गमीटर कर दिया गया है। यानी कम जगह में भी बार खोला जा सकेगा। वहीं, न्यूनतम 40 लोगों की बैठने की क्षमता को अब कम कर 30 का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा होटल व रेस्टोरेंट आदि में बार लाइसेंस लेने के लिए जरूरी भोजन कक्ष के प्रावधानों को शिथिल कर दिया गया है। वहीं स्थानीय प्राधिकरण से लाइसेंस प्राप्त करने की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। कैबिनेट ने उप्र आबकारी (आसवनी स्थापना) सोलहवां संशोधन नियमावली 2022 के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की अफसरों को चेतावनी

मरीजों को न लिखी जाएं बाहर की दवाएं, शिकायत मिली तो दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

» समय से अस्पतालों में आपूर्ति की जाए दवाइयां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि मरीजों को किसी भी स्तर पर बाहर की दवाएं न लिखी जाएं। अस्पताल में सभी जरूरी दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिन दवाओं की कमी है, उनकी नए सिरे से निविदा कर दवा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अगर शिकायत मिलती है तो संबंधित डॉक्टर व अस्पताल के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री कल मेडिकल सप्लाई कॉर्पोरेशन एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर दवाओं की आपूर्ति एवं उपलब्धता की समीक्षा कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि दवाइयां मरीजों तक पहुंचे, इसके लिए समय से अस्पतालों में आपूर्ति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराई जाए। अधिकारी अभियान चलाकर अस्पतालों का निरीक्षण करें। आवश्यक दवाइयों की सूची के अनुसार अनुपलब्ध दवाइयों की उपलब्धता के लिए दवा निर्माता कंपनियों एवं सक्षम अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निविदा आदि की कार्यवाही जल्द से जल्द पूरी की जाए। जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवाइयों की उपलब्धता प्रदर्शित की जाए। नोटिस बोर्ड पर डॉक्टर का नाम, उनके बैठने का कार्य दिवस, समय आदि लिखा जाए, जिससे मरीज को किसी तरह की समस्या न हो। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपलब्ध मरीजों को संचालित रखा जाए। हर स्वास्थ्य केंद्र पर पीने के पानी, स्ट्रेचर एवं व्हील चेयर आदि की व्यवस्था करें। क्रियाशील एवं निष्क्रिय वाहनों की अद्यतन स्थिति प्राप्त कर संचालन योग्य वाहनों को क्रियाशील रखा जाए। सभी चिकित्सालयों को राज्य स्तरीय कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए उनकी निरंतर मॉनीटरिंग की व्यवस्था की जाए।

अस्पतालों को कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाए

उत्तर प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कमर कस ली है। लखनऊ और आसपास के जिलों के अस्पतालों में डिप्टी सीएम के ताबड़तोड़ दौरों ने अधिकारियों की नींद उड़ा दी है। बृजेश पाठक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि दवाईयां मरीजों तक पहुंचे, इसके लिए समय से अस्पतालों में आपूर्ति अनिवार्य रूप से कराई जाए। मरीजों को किसी भी स्तर पर बाहर की दवायें न लिखी जाएं। अधिकारी अभियान चलाकर सभी चिकित्सालयों का निरीक्षण करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सालयों को राज्य स्तरीय कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए उनकी निरंतर मानीटरिंग की की जाए।

यूपी में रोजगार और विकास को मिलेगी रफ्तार : नंदी

» केंद्र सरकार से ली जाएगी आर्थिक मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लंबे समय से बंदी पड़ी कपड़ा मिलों की जमीन का प्रयोग अब नए उद्योगों के लिए किया जाएगा। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल नंदी ने विभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि ऐसी कंडम हो चुकी मिलों की फंसी जमीनों को मुक्त कराकर नए उद्योगों के लिए उद्यमियों को दिया जाएगा। इसके केंद्र सरकार की ओर से आवंटित एक लाख करोड़ रुपये के बजट से आर्थिक मदद ली जाएगी। विधानसभा स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

कंडम हो चुके टेक्सटाइल मिलों के लिए केंद्र सरकार द्वारा एक लाख करोड़ रुपये की योजना शुरू की गई है। इसका लाभ लेकर फंसी जमीनें मुक्त कराई जाएंगी। उन मिलों के बकाये को चुकता कर कम से कम धनराशि देकर मुक्त कराई गई भूमि पर बड़े उद्योग शुरू किए जाएंगे। इसी प्रकार की 1300 एकड़ जमीन बरेली में भी फंसी है, जिस पर नए उद्योग लगाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि टैबलेट और स्मार्ट फोन वितरण की योजना के लिए 4800 करोड़ रुपये का बजट अपेक्षित है। कोरोना काल में जिन उद्योगों को नुकसान हुआ और वह तय समय सीमा में काम शूरू और पूरा नहीं कर पाए, उन्हें राहत देने पर विचार किया जाएगा।

राज ठाकरे माफी मांगें तो ही अयोध्या में घुसने देंगे : बृजभूषण

» बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने विरोध स्वरूप निकाली रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहले हम उत्तर भारतीय हैं, उसके बाद सांसद। उत्तर भारतीयों का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उत्तर भारतीयों को अपमानित करने वाले राज ठाकरे को अयोध्या में तब तक घुसने नहीं देंगे, जब तक वह माफी नहीं मांगते हैं। ये बातें कैसरगंज के भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे के पांच जून को प्रस्तावित अयोध्या दौरे के विरोध में निकाली गई रैली के समापन पर नंदिनी नगर में आयोजित सभा में कहीं।

बीजेपी सांसद ने कहा कि राज ठाकरे महाराष्ट्र में लगातार उत्तर भारतीयों का अपमान करते रहे हैं। अगर आज उनका हृदय परिवर्तन हुआ है और वो अयोध्या आ रहे हैं तो उन्हें सबसे पहले माफी मांगनी चाहिए। वो सिर्फ अयोध्या के साधु-संतों से माफी मांग लें, उसके बाद ही अयोध्या आएं। हम सभी उनका स्वागत करेंगे। अगर माफी नहीं मांगेंगे तो पांच लाख उत्तर भारतीय उनका विरोध करेंगे और अयोध्या में घुसने नहीं देंगे। कहा कि अयोध्या के संतों को सांसद बृजभूषण शरण सिंह का समर्थन है। राज ठाकरे जब तक माफी नहीं मांगते हैं तब तक हम उन्हें अयोध्या में घुसने नहीं देंगे। इससे पहले सांसद ने राज ठाकरे के आगमन के विरोध में अपने आवास विश्नोहरपुर से रैली निकाली। जिसका जगह-जगह लोगों ने स्वागत कर रैली का समर्थन किया।

राज ठाकरे के समर्थन में उतरे बीजेपी सांसद

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे के अयोध्या दौरे को लेकर हो रहे विरोध के बीच अयोध्या से भाजपा सांसद लल्लू सिंह उनके समर्थन में उतरे हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि जो भी प्रभु श्रीराम की शरण में आना चाहता है उसका अयोध्या में स्वागत है। उन्होंने कहा कि राज ठाकरे पर हनुमानजी की कृपा हुई है। इसलिए वह अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की शरण में आ रहे हैं। मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें सद्बुद्धि मिले, जिससे कि वह खुद के व महाराष्ट्र के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी की शरण में जाएं। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के विरोध को लल्लू सिंह ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत विचार है। हम राज ठाकरे का स्वागत करेंगे। राज ठाकरे पांच जून को अयोध्या दौरे पर आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि उनसे पहले उद्धव ठाकरे भी अयोध्या आ सकते हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

शिक्षक बनीं स्मृति, बच्चों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

» अमेठी की जनता की सुनीं शिकायतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी के दो दिनी दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और अमेठी की जनता की शिकायतें सुनीं। उन्होंने बहादुरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत ओदारी में चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसामान्य की समस्याओं को सुनने के बाद मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया।

जयपुरिया स्कूल का उद्घाटन करने जा रहीं स्मृति मनीपुर से मुड़ते ही संचालित प्रकाश सरस्वती शिशु मंदिर के सामने रुक गईं। यहां स्मृति बच्चों के एक क्लास में पहुंचीं और उन्हें पढ़ाने लग गईं। शिक्षक व बच्चे भी केंद्रीय मंत्री को अपने बीच में पाकर खुश नजर आए। स्मृति ईरानी ने बच्चों को कुछ हिंदी वर्णमाला के कुछ अक्षरों के मतलब बताए और फिर बच्चों से भी सवाल किए। बच्चों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। इसी दौरान उन्होंने बच्चों से पूछा कि कोई बच्चा बताए म से क्या होता है। एक बच्चे ने कहा मां। यह सुनते ही स्मृति खुश हो गईं। स्मृति उसके पास पहुंचीं और हाथ मिलाया। स्मृति ईरानी ने दुर्गन भवानी धाम स्थित सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल का उद्घाटन किया। छात्र-छात्राओं को निशुल्क टैबलेट व स्वामित्व योजना के चयनित लोगों को घरौनी वितरित करने के साथ ही स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से बात की। कार्यक्रम के अंत में स्मृति ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि शिक्षा के क्षेत्र में अमेठी प्रगति कर रहा है।

अब लोक सभा के चुनावी रथ पर सवार हुई भाजपा, विकास और राष्ट्रवाद को दे रही धार

» मेरठ पहुंचकर सीएम योगी ने फिर साधा पश्चिम को

» अधिक से अधिक लोक सभा सीटों को जीतने पर है भाजपा की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी भाजपा अब लोक सभा के चुनावी तैयारी को धार देने में जुट गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ प्रदेश भर में दौरा कर मिशन-2024 की पटकथा लिख रहे हैं। मेरठ मंडल की समीक्षा के बहाने सीएम योगी न केवल प्रशासन के पेंच कसे बल्कि कोतवाल धन सिंह गुर्जर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर राष्ट्रवाद की धार को और तेज किया। इसके अलावा सीएम ने रैपिड रेल, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम एवं ट्रांजिट हास्टल के निरीक्षण से विकास का संदेश भी दिया।

भगवा रथ एक बार फिर चुनावी जमीन बनाने निकल पड़ा है। राष्ट्रवाद के पहिए पर दौड़ता यह रथ कल क्रांतिनगरी मेरठ पहुंचा। सीएम योगी ने जहां शहीद मंगल पांडे की प्रतिमा एवं शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की व क्रांतिकारियों की जेलस्थली विक्टोरिया पार्क भी पहुंचे। यूपी विधान सभा चुनाव से पहले जेवर में राजा मिहिर भोज की मूर्ति को लेकर विरोधी दलों ने भाजपा को घेरने का प्रयास करते हुए गुर्जर वोटों में सेंधमारी का चक्रव्यूह रचा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मेरठ में शहीद धनसिंह कोतवाल की मूर्ति पर माल्यार्पण करके सीएम योगी ने गुर्जरों को फिर साधा। विस चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शहीद स्मारक पहुंचे थे, जो पश्चिम उप्र में भाजपा की सियासत के लिए आक्सीजन का ताजा झोंका बना था। पार्टी आजादी का अमृत महोत्सव के बहाने राष्ट्रवादी तीरों को नए सिरे से धार देने में जुट गई है।

पश्चिम के मुद्दे

भाजपा ने पश्चिम उप्र के चुनावी मुद्दों पर चुनाव लड़ा और इसका जबरदस्त लाभ मिला। 2014 लोक सभा चुनाव के बाद से पश्चिम उप्र के राजनीतिक वातावरण् और मुद्दों के खाद पानी से भाजप की चुनावी फसल खूब लहलहाई। पहले चक्र का चुनाव पश्चिम यूपी में था, ऐसे में भाजपा ने बड़ी रणनीति बनाई। सीएम योगी ने ताबड़तोड़ दौरा करते हुए सपा के कार्यकाल में दंगों, कैराना पलायन एवं कांवड़ मेले पर रोक जैसे भावनात्मक मुद्दों को छुआ था।

ये भी हैं बड़े मुद्दे

शामली एवं मुजफ्फरनगर के बीच गर्मी में शिमला जैसी सर्दी एवं अपराध पर बुल्डोजर चलाने जैसे बयानों ने चुनावी पारा चढ़ाया। कैराना और कांधला के बीच पीएसी कैंप, देवबंद में एटीएस केंद्र बनाने, मेरठ के सोतीगंज में वाहनों की कटान बंद करने एवं सहारनपुर में मां शाकंबरी विवि की स्थापना के भी बड़े राजनीतिक निहितार्थ निकाले गए। अब सीएम योगी के सामने 2024 में 65 से ज्यादा सांसदों को दिल्ली भेजने की चुनौती है।

मुंबई में रह रहे उत्तर भारतीयों को जोड़ने की पहल, योगी सरकार ने तैयार किया प्लान

» प्रवासी नागरिकों की मदद के लिए मुंबई में खुलेगा दफ्तर

» दफ्तर के माध्यम से प्रवासियों की होगी सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा

» निवेश, रोजगार और पर्यटन आदि के लिए उनके साथ बनेगा समन्वय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना काल में देश के दूसरे राज्यों में संकट में फंसे उत्तर प्रदेश के प्रवासी नागरिकों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा दिलाने की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। यहां लौटे प्रवासियों को रोजगार-स्वरोजगार की व्यवस्था भी सरकार ने की। अब इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकार ने निर्णय लिया है कि मुंबई में रह रहे यूपी के प्रवासी नागरिकों के लिए मुंबई में जल्द कार्यालय खोला जाएगा। इस कार्यालय के माध्यम से उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाएगी।

साथ ही गृह प्रदेश में निवेश, रोजगार, पर्यटन आदि के लिए उनके साथ समन्वय बनाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार योगी सरकार जल्द ही मुंबई में यह कार्यालय शुरू करने जा रही है। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश के उन प्रवासियों से संपर्क किया जाएगा जो लंबे समय से मुंबई में नौकरी, व्यवसाय के लिए रह रहे हैं। अनुमान है कि मुंबई की एक करोड़ 84 लाख की आबादी में लगभग 50 से 60 लाख नागरिक उत्तर भारतीय मूल के हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के नागरिकों की संख्या सर्वाधिक है। इनका वहां उद्योग, सेवा क्षेत्र, खुदरा व्यापार, परिवहन, खाद्य व्यवसाय, फैक्ट्री या मिल आदि में बड़ा योगदान है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्म, टेलीविजन, मैन्यूफैक्चरिंग, खाद्य प्रसंस्करण आदि उद्योगों से यहां के लोग जुड़े हैं। साथ ही असंगठित क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश के कामगार बड़ी संख्या में मुंबई में काम कर रहे हैं।

लॉकडाउन में प्रवासियों को उठानी पड़ी थी परेशानी

पिछले दो वर्षों में कोविड आपदा व लॉकडाउन के कारण बड़ी संख्या में इन्हें वापस अपने गृह राज्य यूपी आना पड़ा था। तब योगी सरकार ने ही इनकी मदद की थी। अब मुंबई में कार्यालय खोलने के पीछे उद्देश्य यही है कि प्रवासियों को उत्तर प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं से अवगत करा कर उन्हें यहां उद्यम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उनसे विचार-विमर्श करके उनके लिए यहां एक अनुकूल व आकर्षक औद्योगिक वातावरण तैयार किया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि उप्र में उनके उत्पादों या सेवाओं के लिए एक विशाल बाजार व मांग है, जिसकी वजह से उनके लिए यहां निवेश करना लाभदायक होगा।

मुंबई में सबसे ज्यादा हैं उत्तर भारतीय

मुंबई की 184 करोड़ की जनसंख्या में करीब 60 लाख उत्तर भारतीय मूल के लोग रहते हैं। इनमें यूपी के लोगों की संख्या सर्वाधिक है। मुंबई में उद्योग, सेवा क्षेत्र, खुदरा व्यापार, ट्रांसपोर्ट, खाद्य व्यवसाय, फैक्टरी या मिल जैसे कई क्षेत्रों में यहां के लोगों का उल्लेखनीय योगदान है। उद्योग व स्टार्टअप के क्षेत्र में भी यूपी के लोग मुंबई में उल्लेखनीय कार्य रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्म, टेलीविजन, मैन्यूफैक्चरिंग, फाइनेंस, खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्योगों में भी यूपी के उद्यमियों का बड़ा योगदान है। असंगठित क्षेत्र में भी यूपी के काममारों की बड़ी संख्या है।

कार्यालय में होगी प्रवासियों के हित की योजनाएं

पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई में दफ्तर खुलने से प्रवासियों को यूपी की सभी सुविधाएं मिलने लगेगी। उन्हें यूपी में आकर इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा अन्य कामगारों के लिए इस कार्यालय द्वारा उनके हित की योजनाएं बनाई जाएंगी। इससे उनके लिए किसी संकट की स्थिति में उत्तर प्रदेश आना सुलभ हो और उन्हें यहां उनके अनुभव व क्षमता के अनुरूप काम या रोजगार मिल सके। असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए भी इसी तरह के प्रयास किए जाएंगे।

लोगों को अपने राज्य से जोड़ने की पहल

मुंबई में दफ्तर खुलने से न केवल लोगों को अपने प्रदेश में निवेश करने का मौका मिलेगा बल्कि उनके हितों की रक्षा भी होगी। प्रस्तावित कार्यालय के जरिए मुंबई में रह रहे यूपी के लोगों को प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं बताकर उन्हें यहां उद्यम लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्हें यह बताया जाएगा कि यूपी में उनके उत्पादों या सेवाओं के लिए एक विशाल बाजार व मांग है। उनके लिए यहां निवेश करना लाभप्रद होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjayasharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पंजाब में आतंक की दस्तक के मायने

“पिछले एक सप्ताह में पंजाब में हुई कई आतंकी गतिविधियों ने खतरे की घंटी बजा दी है। मोहाली में इंटेलिजेंस कार्यालय पर रॉकेट से दागे गए ग्रेनेड से साफ है कि आतंकियों की पहुंच अब अत्याधुनिक हथियारों तक हो चुकी है और इसके लिए इनको बाकायदा ट्रेनिंग दी जा रही है। यह हथियार बेहद घातक हैं और कई मीटर दूर से टारगेट पर हमला कर सकते हैं।

पिछले एक सप्ताह में पंजाब में हुई कई आतंकी गतिविधियों ने खतरे की घंटी बजा दी है। मोहाली में इंटेलिजेंस कार्यालय पर रॉकेट से दागे गए ग्रेनेड से साफ है कि आतंकियों की पहुंच अब अत्याधुनिक हथियारों तक हो चुकी है और इसके लिए इनको बाकायदा ट्रेनिंग दी जा रही है। यह हथियार बेहद घातक हैं और कई मीटर दूर से टारगेट पर हमला कर सकते हैं। सवाल यह है कि क्या पंजाब में फिर आतंकवाद दस्तक देने लगा है? क्या पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और आतंकी संगठन प्रदेश को सुलगाने की साजिश रच रहे हैं? सीमा पार से ड्रोन के जरिए विस्फोटक व हथियार किसके लिए आ रहे हैं? खालिस्तानी आतंकियों को फंडिंग कौन कर रहा है? क्या पंजाब में आतंकियों का स्लीपर सेल अपनी जड़ें जमा चुका है? पंजाब में इनकी मदद कौन कर रहा है? क्या कश्मीर के बाद अब पंजाब बड़ी चुनौती बनने जा रहा है?

पंजाब में आतंक के बादल मंडराने लगे हैं। जम्मू-कश्मीर में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान अब पंजाब को अशांत करने की साजिश रच रहा है। हिंसा फैलाने के लिए वह न केवल खालिस्तानी आतंकियों के गुटों बल्कि अन्य आतंकी संगठनों को यहां सक्रिय कर चुका है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने पंजाब में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए लश्कर-ए-खालसा नाम का एक नया आतंकी गुट बनाया है। इसमें अफगान आतंकियों को भी शामिल किया गया है। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि अफगान आतंकियों को रॉकेट के जरिए ग्रेनेड दागने समेत आधुनिक हथियार चलाने का अनुभव है। इस ग्रुप के जरिए जम्मू कश्मीर में भी हमले कराने की साजिश रची जा रही है। इस आतंकी गुट में पंजाब-हरियाणा के स्थानीय गैंगस्टर और अपराधियों को भी शामिल किया जा रहा है। ये सभी पंजाब को एक बार फिर उग्रवाद की राह पर ले जाने की साजिश रच रहे हैं। स्थितियां इसलिए भी चिंताजनक हो चुकी है क्योंकि यहां लगातार ऐसी घटनाएं पिछले एक सप्ताह में घटी हैं। मसलन इंडियन सिख यूथ फेडरेशन नामक आतंकवादी गुट ने पंजाब में ड्रोन के जरिए टिफिन बम भेजे थे, जिसमें से चार अभी तक नहीं मिले हैं। इसके पहले पंजाब पुलिस ने डेढ़ किलो आरडीएक्स व अन्य विस्फोटक सामग्री के साथ दो आतंकियों को गिरफ्तार भी किया था, जिनके तार पाकिस्तानी आतंकवादियों से जुड़े मिले हैं। वहीं हिमाचल से लेकर पंजाब तक खालिस्तानी पोस्टर लगाए जा रहे हैं। जाहिर है सरकार, खुफिया एजेंसियों और सेना को इस सीमावर्ती राज्य में बेहद चौकन्ना रहने की जरूरत है। साथ ही इसकी जड़ जमने के पहले इसको खत्म करना भी जरूरी है अन्यथा एक और कश्मीर तैयार हो जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

परंपरावादी धारा में कांग्रेस की उम्मीदें

राजेश रामचंद्रन

भारतीय राजनीतिक चरित्र लाजिमी तौर पर अपरिवर्तनवादी रहा है और अंतस की यह रूढ़िप्रियता देश की दिशा और नियति तय करती है। यही चरित्र आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े उलट-फेर को परिभाषित करता है जब रूढ़िवादियों ने सर्वसम्मति बनाकर भारत को औपनिवेशिक शासन से आजादी दिलाई, सत्ता हस्तांतरण के जरिए हिंसक विद्रोह बिना। बेशक, एक दुखद तथ्य यह भी है कि औपनिवेशिक दमनकारी अपने पीछे सफलतापूर्वक विभाजन की खूनी लकीर और पहचान की राजनीति का कभी न भरने वाला नासूर छोड़ गए। महात्मा गांधी भी जो रचनात्मक सुधारक थे उन्होंने न केवल अपने लोगों को इकट्ठा रखने के लिए बल्कि महाकाय भारतीय राजनीतिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए परंपरावादियों के बीच सर्वसम्मति बनवा दी थी।

सौ साल पहले, सबसे बड़े भारतीय राष्ट्रीय मंच का नेतृत्व, अपने शब्द और कर्म से, हिंदू धर्म में व्याप्त कुरीतियों और प्रथाओं पर प्रहार करने का संकल्प केवल परंपरावादियों के बीच इस आम सहमति के बूते ले पाया था। इसके लिए अधिक अनुमान लगाने की जरूरत नहीं कि गांधी के सेनानी खुद अनुदारवादी थे, जिनमें मोतीलाल नेहरू, मदन मोहन मालवीय और स्वामी श्रद्धानन्द थे। फिर भी ये सब हिंदुओं में जारी सबसे बुरी प्रथाओं को चुनौती देने और उन्मूलन करने में साथ आए। अब यह कल्पना करना फैशन बन गया है कि हमारा संविधान एक अनुदारवादी दस्तावेज है। अगर ऐसा है तो संविधान सभा के उन परंपरावादी महानुभावों को फिर से झुककर सलाम करना चाहिए, जिन्होंने यह लिखा है। संसद को अप्रत्यक्ष रूप से बड़े जमींदारों और सरमायादारों ने चुना था और जिनके पास मतदान के पात्र कुल लोगों में सिर्फ 20 फीसदी से भी कम का प्रतिनिधित्व था। फिर भी, समझदार स्त्री-पुरुषों की यह सम्माननीय सभा एक ऐसा प्रगतिशील दस्तावेज लिख पाई जिसने उन कट्टर वामपंथियों तक से शास्त्र का दर्जा प्राप्त कर लिया, जिनके राजनीतिक पूर्वजों ने ‘यह आजादी झूठी है’ कहकर इसको नकारा था। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस जोर देती है कि वह स्वतंत्रता आंदोलन के श्रेय की एकमात्र विरासतदार है लेकिन अब यह जगजाहिर है कि पार्टी अपनी केंद्रीय परंपरावादी पहचान खो चुकी है। गांधी परिवार अब भारतीय परंपरावादियों का प्रतिनिधित्व करने वाला नहीं रहा। कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व जनसंख्या के

एक खास तबके का प्रतिनिधित्व करने वाली हस्ती न होकर संगठनात्मक जरूरत का तत्व भर है। हताश कांग्रेस अपना संगठन कायम रखने के लिए ‘गांधियों’ पर बेतरह निर्भर है, सीधी बात है कि मौजूदा कांग्रेस पार्टी में एक भी ऐसा गैर-गांधी नेता नहीं है जो घटते कुनबे को एकजुट रखने में काबिल हो। हालांकि गुट- 23 के सदस्यों ने नेतृत्व की कमियों को उठाकर सही किया है, लेकिन यह भी गांधियों का भरोसेमंद विकल्प प्रस्तुत करने में असफल रहा है इसलिए जहां गांधी परिवार कांग्रेस रूपी किताब के फटते और छिटकते जा रहे पन्नों को जोड़ने में गोंद का काम कर रहा है वहीं किसी खास वर्ग, कौम या तबके ने इसको पढ़ना बंद कर दिया है। 1969 में कांग्रेस में हुए पहले दोफाड़ के बाद पार्टी से परंपरावादी नेताओं के अलगाव की जो प्रक्रिया शुरू हुई थी, उसे इंदिरा गांधी 1971 के युद्ध में मिली भारी जीत से उलट सकती थीं। एमरजेंसी और निजी हार के बाद भी इंदिरा गांधी ने 1980 के चुनाव में काफी हद तक अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस हासिल कर ली थी। 1984 में राजीव गांधी की जीत परंपरावादियों का पुनः अनुमोदन थी जो एक स्थिर, एकीकृत और मजबूत भारत की चाहना रखते थे लेकिन एक नयी शुरुआत करने वाले प्रधानमंत्री के स्वार्थी अनुचरों द्वारा शाह बानो केस, सलमान रुश्दी की किताब पर प्रतिबंध और अयोध्या में बाबरी मस्जिद के बंद ताले खुलवाकर दोहरा सांप्रदायिक कार्ड खेलने के प्रयासों ने परंपरावादी समर्थक मतदाता को पार्टी से परे करवाकर बुरी तरह नुकसान पहुंचाया। नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने अपनी सहज वृत्ति से इस परंपरावादी मतदाता के बड़े हिस्से में पुनः जगह बनाई, जिसका पिछले कुछ सालों से धीरे-धीरे सांप्रदायीकरण हो रहा था। लेकिन लगता है कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व के पास अपने इन परंपरावादी वोटरों को राजीव काल के प्रतीकवादी नर्म इस्लामिक,हिंदुत्व, जाति आधारित राजनीति देने के अलावा और कुछ नहीं है। फिलहाल गांधी परिवार जो कुछ कर सकता है तो यही कि अपनी ताकत-संगठनात्मक नियंत्रण- पर लगाये और ठीक इसी समय क्षत्रपों को पार्टी का केंद्रीय विचार फिर से परंपरावादी बनाने की इजाजत दे। यदि कांग्रेस नेतृत्व को यकीन है कि वह एकदम अलग वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है और उस तक संदेश को जनता तक पहुंचाए।

मैनुफैक्चरिंग हब बनता भारत

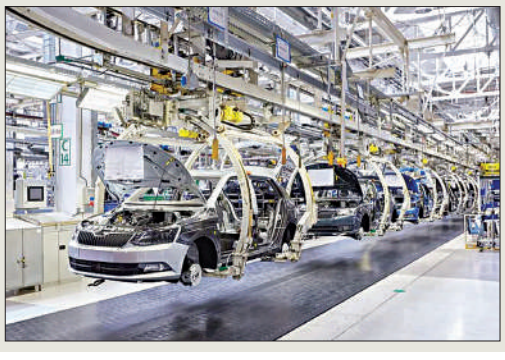

जयंतीलाल भंडारी

बदले हुए वैश्विक आर्थिक व भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत दुनिया का नया मैनुफैक्चरिंग हब बनने की संभावनाओं को साकार करने की राह पर बढ़ रहा है। इसके चार प्रमुख कारण उभरते दिखायी दे रहे हैं। एक, आत्मनिर्भर भारत अभियान और उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) को तेज बढ़ावा। दो, कोविड-19 की वजह से चीन के प्रति वैश्विक नकारात्मकता के बाद अब वहां फिर कोरोना संक्रमण के कारण उत्पादन ठप होने और आपूर्ति शृंखला बाधित होने से वैश्विक उद्योग और पूंजी का भारत के दरवाजे पर दस्तक देना। तीन, निर्यात आधारित बनने की भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रवृत्ति। चार, भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डॉयलॉग (क्वाड) के कारण उद्योग-कारोबार में वृद्धि।

छह मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो से ‘जीतो कनेक्ट 2022’ को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत हमारा रास्ता भी है और संकल्प भी। इस समय वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा और विदेशी वस्तुओं के उपयोग को कम करने के साथ देश में प्रतिभा, उद्योग, व्यापार और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुनिया भारत के उत्पादों की तरफ बड़े भरोसे से देख रही है और भारत को मैनुफैक्चरिंग हब बनाने में विभिन्न देशों का अच्छा सहयोग और समर्थन मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैनुफैक्चरिंग के तहत 24 सेक्टरों को प्राथमिकता के साथ बढ़ाया जा रहा है। चूंकि अभी भी देश में दवाई, मोबाइल, चिकित्सा उपकरण, वाहन तथा इलेक्ट्रिक जैसे कई उद्योग बहुत कुछ चीन से आयातित माल पर आधारित हैं। ऐसे में चीन के कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले डेढ़ वर्ष में सरकार ने पीएलआई स्कीम के तहत 13 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किया है। कुछ उत्पादक चीनी कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। पीएलआई योजना से अगले पांच वर्षों में देश में लगभग 40 लाख करोड़ रुपये मूल्य की वस्तुओं का उत्पादन होगा।

कोविड-19 के बीच चीन के प्रति बढ़ी वैश्विक नकारात्मकता और 2022 में चीन में कोरोना संक्रमण के कारण उद्योग-व्यापार के ठहर जाने से चीन से बाहर निकलते विनिर्माण, निवेश और निर्यात के मौके भारत की ओर आने लगे हैं। मार्च, 2020 से 2022-23 के बजट के तहत सरकार द्वारा मैनुफैक्चरिंग सेक्टर के लिए उठाये गये कदमों के साथ भारतीय उत्पादों को अपनाने के प्रचार-प्रसार से देश के उद्योगों को आगे बढ़ने का मौका मिला है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार ने नयी कृषि निर्यात नीति के तहत कृषि निर्यात से संबंधित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्कृत उद्योगों को बढ़ावा दिया है। भारत में श्रम लागत चीन की तुलना में सस्ती है। भारत के पास तकनीकी और पेशेवर प्रतिभाओं की भी कमी नहीं है। केंद्र सरकार ने उद्योग-कारोबार, कराधान और श्रम कानूनों को सरल बनाया है। इससे भी उद्योग-कारोबार आगे बढ़ रहे हैं। भारत की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की डगर भारत को मैनुफैक्चरिंग हब बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। कोविड और यूक्रेन संकट की चुनौतियों के बीच 2021-22 में भारत का उत्पाद निर्यात 419.65 और सेवा निर्यात 249.24 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचना यह संकेत है कि अब भारत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। 2020-21 में भारत का उत्पाद निर्यात 292 अरब डॉलर तथा सेवा निर्यात 206 अरब डॉलर रहा था। अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्वाड के रूप में जिस नयी ताकत के उदय का शंखनाद किया है, वह भारतीय उद्योग-कारोबार के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकता है। इससे भारत के मैनुफैक्चरिंग हब बनने को बड़ा आधार मिलेगा। इसके साथ भारत उद्योग-कारोबार के विस्तार हेतु जिस तीन आयामी रणनीति पर आगे बढ़ रहा है, उससे भी मैनुफैक्चरिंग हब की संभावनाएं आगे बढ़ेंगी। ये तीन महत्वपूर्ण आयाम हैं- एक, चीन के प्रभुत्व वाले व्यापार समझौतों से अलग रहते हुए नॉर्डिक देशों जैसे समूहों के व्यापार समझौते का सहभागी बनना। दो, पाकिस्तान को किनारे करते हुए क्षेत्रीय देशों के संगठन बिम्सटेक (बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्नोलॉजिकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) को प्रभावी बनाना और तीन, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ना।

भारत के द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को मूर्त रूप दिये जाने के बाद अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इजराइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं सुकूनदेह हैं। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जर्मनी, डेनमार्क और फ्रांस की प्रभावी यात्रा के बाद यूरोपीय देशों में भारत के उत्पादों के निर्यात की नयी संभावनाएं पैदा हुई हैं। इसमें कोई दो मत नहीं कि अब विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) की अवधारणा और नये निर्यात प्रोत्साहनों से देश को दुनिया का नया मैनुफैक्चरिंग हब बनाये जाने और आयात में कमी लाने की संभावनाएं भी उभरकर दिखायी दे रही हैं। भारत के दुनिया का दूसरा बड़ा मैनुफैक्चरिंग हब बनने के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को पाने के लिए भारत को कई बातों पर ध्यान देना होगा। आत्मनिर्भर भारत अभियान और मेक इन इंडिया को सफल बनाना होगा। लागत घटाने का प्रयास करना होगा। स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता में बढ़ोतरी के लिए शोध एवं नवाचार पर फोकस करना होगा।

वेडिंग के बाद मनाना चाहते हैं कूल हनीमून तो ये जगह रहेंगी बेस्ट

शादी के बाद के शुरुआती दिन किसी भी कपल के लिए बेहद खास होते हैं। एक-दूसरे के साथ क्वॉलिटी टाइम बिताने के ख्याल से कपल हनीमून प्लान करता है। शादियों का सीजन चल रहा है और आने वाले महीनों में अगर आपकी भी शादी होने जा रही है, तो जानिए कुछ ऐसे डेस्टिनेशन्स के बारे में, जो समर वेडिंग के हनीमून को कूल बनाने में मदद करेंगे। यूं तो पूरा देश ही खूबसूरत है, चारों दिशाओं में कई ऐसी खास और आकर्षक जगहें हैं, जो नए कपल के लिए बेस्ट हो सकती हैं। हर दिशा के कुछ खास डेस्टिनेशन्स हम आपको बताते हैं, जिसे अपने बजट, छुट्टियों और सुविधानुसार आप चुन सकते हैं।

यहां से करें रिलेशनशिप की यादगार शुरुआत

शिलॉन्ग मेघालय

भारत के खूबसूरत और आकर्षक हिल स्टेशन्स में एक शिलॉन्ग भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाता है। यहां की पारदर्शी नदियां और वॉटरफॉल नेचुरल थ्रिल की आपकी ख्वाहिश को पूरी करते हैं।

मुन्नार, केरल

एडवेंचर गेम, बाइक राइडिंग, ट्रेकिंग में रुची रखने वाले कपल को हनीमून के लिए मुन्नार जाना चाहिए। तीन नदियों से घिरे इस हिल स्टेशन में एराविकुलम नेशनल पार्क, टी म्यूजियम, मतुपेत्टी डैम जैसी आकर्षक जगहें हैं।

ऊटी, तमिलनाडु

ऊटी हिल स्टेशन पयर्टकों के बीच हमेशा से लोकप्रिय रहा है। हरे-भरी नजारे और साफ आसमान के बीच, बादलों से बातें करने की चाहत इस हिल स्टेशन पर पूरी होगी। नीलगिरि पर्वत, झील और चाय के बागान मनमोहक मालूम पड़ते हैं।

गैंगटॉक सिक्किम

अगर आप दोनों प्रकृति प्रेमी हैं और शहरों की भीड़भाड़ से दूर एकांत में वक्त गुारना चाहते हैं, तो गैंगटॉक सबसे बेहतर ऑप्शन साबित होगा। यहां के वाटरफॉल, रोप-वे, सनसेट पॉइंट और हरियाली कपल को खूब सारी मेमोरीज देंगी।

लेह, लद्दाख

गर्मी से राहत पाने और सफेद बर्फ की चादर से ढकी हसीन वादियां देखने की चाहत रखने वाले कपल को यहां हनीमून मनाने जाना चाहिए। नुब्रा वैली, प्राचीन मठ, रॉयल लेह पैलेस, प्यांग गोम्पा, पैगॉन्ग त्सो जैसी खास जगहें घूमने के लिए आकर्षण होते हैं।

मनाली, हिमाचल

ये हनीमून कपल्स का 'हॉट डेस्टिनेशन' माना जाता है। गर्मी के मौसम में यहां की ठंडक राहत और सुकून देती है। हम्टा पास, हिडिंबा टेंपल और सोलंग पास मनाली की खूबसूरत जगहों में शामिल हैं।

लोनावला महाराष्ट्र

वेस्ट की चिलचिलाती गर्मी से ब्रेक पाने के लिए लोनावाला जाने का ऑप्शन भी कपल के लिए अच्छा साबित होगा। मानसून के दौरान इस हिल स्टेशन की खूबसूरती देखने लायक होती है।

गोवा

कपल की चाहत होती है कि एक न एक बार गोवा ट्रिप पर जरूर जाएं। अगर शादी के बाद घूमने का पहला डेस्टिनेशन गोवा हो, तो इससे बेहतर हो भी क्या सकता है। हालांकि, गर्मी के लिहाज से गोवा का दिन झुलसाने वाला, जबकि रातें लंबी पार्टी वाली हैं।

लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पे अपने घर बुलाया। हंस दावत पे गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई। लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये क्यूंकि हंस का मुंह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके। इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खा रही थी क्योंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था। इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी खीर चट कर दी। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुंह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था। इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पे बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिचड़ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पे आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुँह वाली सुराहियों में खिचड़ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुँह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर हंस बड़े मजे से खिचड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुंह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी। इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।

हंसना मना है

एक गंजा आदमी बस से उतर रहा था। उसे पीछे से धक्का लगा। गंजे आदमी ने कहा- क्यों भाई सिर पर चढ़े जा रहे हो। दूसरे आदमी ने कहा- नहीं भाई, आपके सिर पर चढ़कर फिसलना नहीं है।

टीचर- उसने कपड़े धोए और उसे कपड़े धोने पड़े। इन दोनों वाक्यों में अंतर बताओ? पप्पू - सर, पहले वाक्य से व्यक्ति के अविवाहित होने का पता चलता है, जबकि दूसरे वाक्य से उसके विवाहित होने का पता चलता है।

मास्टर जी- मुहावरे का अर्थ बताओ सांप की दुम पर पैर रखना स्टूडेंट - पत्नी को मायके जाने से रोकना। टीचर समझ नहीं पा रहे हैं कि इतनी गहरी जानकारी इसे कैसे हुई।

डॉक्टर - क्या बात है? चिंटू- कुत्ते ने काट लिया है। डॉक्टर - तुमने बोर्ड पर लिखा नहीं पढ़ा, मरीज देखने का समय केवल सुबह 8 से 11 बजे तक है। तुम 1 बजे आए हो। चिंटू- जी मैंने तो पढ़ लिया, कुत्ते ने नहीं पढ़ा था!

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कुछ जरूरी योजनाएं क्रियान्वित होंगी और ताजा आर्थिक मुनाफा पहुँचाएंगी। बच्चों से असहमति के चलते वाद-विवाद हो सकता है और यह झुंझलाहट भरा साबित होगा।

वृषभ आज कोई शुभ सूचना मिलने वाली है। आज आपको जो अवसर मिले, उनके लिए खुद को तैयार रखें। महत्वाकांक्षाएं आज चरम पर रहेंगी। सफलता के लिए आप पूरी कोशिश भी करेंगे।

मिथुन अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें।

कर्क आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। बेहतर होगा समय से अपना प्रोजेक्ट कार्य पूरा कर लें। आज जीवनसाथी के साथ आपका वक्त सुकून भरा रहने वाला है। रुका हुआ धन वापस मिलेगा।

सिंह अपनी खुशियों को दूसरों के साथ साझा करना आपकी सेहत को भी बेहतर करेगा। लेकिन ख्याल रखें कि इसे नजरअंदाज करना बाद में भारी पड़ सकता है।

कन्या आज का दिन फायदा देने वाला है. आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी, जिसके चलते आप सफलता की ओर तेजी से ब?ेंगे. ऐसी सभी चीजो से दूर रहें, जो आपकी तरक्की में रूकावट बन रही हो.

तुला अटके हुए मामले और घने होंगे व खर्चे आपके दिमाग पर छा जाएंगे। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज कर सकता है लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें।

वृश्चिक आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहने वाला है। आज फिजूल के ख्यालों में अपना मन ना भटकाएं। इस राशि के जो लोग आविवाहित हैं उनके घर पर शादी की बात शुरू हो सकती है।

धनु आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है।

मकर आज आपका ईष्यालु स्वभाव आपको उदास और दु:खी बना सकता है। दूसरों के सुख-दु:ख बांटने की आदत विकसित करें। पिता के साथ तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है।

कुम्भ काफी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपकी तरक्की करेगा। अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें। आपका आर्थिक भी फायदा होगा।

मीन आज का दिन यादगार रहने वाला है. किसी सामूहिक गतिविधि की लीडरशिप करेंगे. परिवार से जुड़ी परेशानी आज खत्म हो जायेगी. दूसरों की मदद करने के लिए आप हर संभव कोशिश भी करेंगे.

बॉलीवुड | मन की बात

आदिपुरुष, सालार और प्रोजेक्ट के बाद प्रभास शुरू करेंगे हॉरर फिल्म

सुपरस्टार प्रभास की गिनती साउथ सिनेमा के सबसे व्यस्त कलाकारों में होती है। बाहुबली और बाहुबली 2 के बाद से उनके पास प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। आदिपुरुष, सालार और प्रोजेक्ट के बाद प्रभास ने एक और फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है। खबर है कि प्रभास जल्द ही एक हॉरर फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। फिल्म का नाम राजा डीलक्स है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में मालविका मोहनन अहम किरदार में दिखाई देंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक मालविका ने एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का हिंट दिया था। अब जल्द ही वह प्रभास के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आने वाली हैं। इस बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने को लेकर मालविका काफी उत्साहित हैं। बता दें कि फिल्म की शूटिंग पहले जून में शुरू होने वाली थी लेकिन बाद में इसे स्थगित कर दिया गया। रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास के दूसरी फिल्मों में व्यस्त होने की वजह से यह फैसला लिया गया था। इस फिल्म के अलावा प्रभास दो-तीन बड़े बजट की फिल्मों में काम कर रहे हैं, जिसकी वजह से वह काफी व्यस्त हैं। बताया जा रहा है कि इन फिल्मों से समय निकालने के बाद वह अगस्त से राजा डीलक्स की शूटिंग शुरू करेंगे। बता दें कि हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म राधे-श्याम बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। फिल्म की कहानी लोगों को पसंद नहीं आई थी। इस पैन इंडिया फिल्म में प्रभास के अलावा पूजा हेगड़े भी नजर आई थीं। हिंदी पट्टी के साथ साउथ में भी यह फिल्म लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी।

...और खामोश हो गया सुरों के सरताज शिवकुमार का संतूर

श्रद्धांजलि

15 मई को होने वाला था कॉन्सर्ट

भारतीय संगीतकार और संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा का मुंबई में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। वह पिछले छह महीने से किडनी संबंधी समस्याओं से पीड़ित थे और डायलिसिस पर थे। बता दें कि पंडित शिव कुमार शर्मा का सिनेमा जगत में अहम योगदान रहा। बॉलीवुड में शिव-हरी नाम से मशहूर शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया की जोड़ी ने कई सुपरहिट गानों में संगीत दिया था। इसमें से सबसे प्रसिद्ध गाना फिल्म चांदनी का मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां रहा, जो दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी पर फिल्माया गया था।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पंडित शिव कुमार शर्मा का 15 मई को कॉन्सर्ट होने वाला था। सुरों के सरताज को सुनने के लिए कई लोग बेताब थे। शिव-हरी (शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया) की जुगलबंदी से अपनी शाम रौनक करने के लिए लाखों लोग इंतजार कर रहे थे। लेकिन अफसोस इवेंट से कुछ दिन पहले ही शिव कुमार शर्मा ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।विशाल डडलानी ने दुख जताते हुए लिखा, संगीत जगत को एक और बड़ी क्षति। पंडित शिव कुमार शर्मा अपूरणीय हैं। उनके वादन ने भारतीय संगीत के साथ-साथ संतूर को भी फिर से परिभाषित किया। पं हरिप्रसाद चौरसिया जी के साथ उनके फिल्मी गाने। शिव-हरि के रूप में भी हमेशा प्यारे रहेंगे। भगवान उनके परिवार, प्रशंसकों और छात्रों को शक्ति दे।

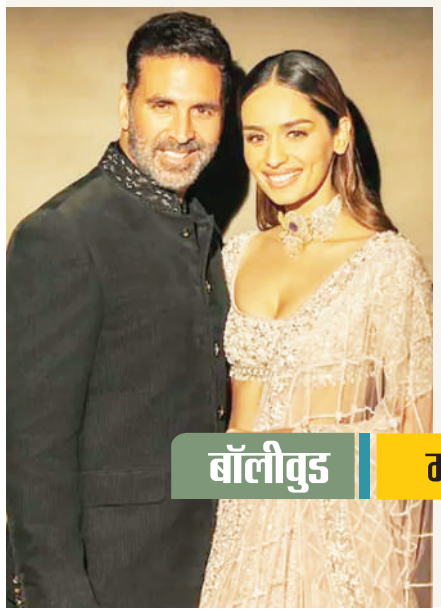

बॉलीवुड | मसाला

पृथ्वीराज का ट्रेलर रिलीज

मानुषी और अक्षय का दिखा रॉयल अंदाज

अक्षय कुमार स्टारर पृथ्वीराज का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। लोगों को ट्रेलर काफी पसंद आया और साथ ही एक शख्स जिसने सबका ध्यान खींचा वो हैं पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर। मानुषी छिल्लर ने अपनी और अक्षय कुमार की कुछ नई तस्वीरों को शेयर किया है। मानुषी छिल्लर पृथ्वीराज में राजकुमारी संयोगिता का किरदार निभाती नजर आएंगी। ट्रेलर में मानुषी छिल्लर के रॉयल लुक को काफी पसंद किया गया है। अब मानुषी छिल्लर ने अपनी और अक्षय कुमार की जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें दोनों का रॉयल अंदाज नजर आ रहा है। सोमवार को ट्रेलर लॉन्च के मौके पर दोनों इसी लुक में नजर आए थे। अक्षय कुमार ने जहां इन तस्वीरों में ब्लैक कलर की शेरवानी पहन रखी है वहीं मानुषी छिल्लर पेस्टल शेड के लहंगे में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। आपको बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन डॉ चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने किया है। उनके साथ भी मानुषी छिल्लर ने एक तस्वीर शेयर की है। पृथ्वीराज के अलावा अक्षय कुमार की दो और फिल्में इस साल आने वाली है। वहीं मानुषी की यह पहली फिल्म होगी। मानुषी मिस वर्ल्ड का खिताब जीत चुकी है। कहा जा रहा है कि मानुषी के पास दो बड़े प्रोजेक्ट है, जिसका अभी तक उन्होंने खुलासा नहीं किया है।

अजब-गजब | वैज्ञानिकों ने किया कमाल

वैज्ञानिकों ने बूढ़े चूहे को बना दिया जवान

दुनियाभर के वैज्ञानिक बढ़ती उम्र के असर को कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं। अब वैज्ञानिकों ने इससे संबंधित एक प्रयोग किया है जो हैरान करने वाला है। वैज्ञानिकों ने एक बूढ़े चूहे को जवान बना दिया। इसके लिए उन्होंने जवान चूहे के मल को बूढ़े चूहे में ट्रांसप्लांट किया। इस रिसर्च के दौरान युवा चूहों से पुराने चूहों में फीकल माइक्रोब्स को ट्रांसप्लांट किया गया, जिससे बूढ़े चूहों की आंत, आंख और दिमाग युवा चूहों जैसीं काम करने लगीं। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने बूढ़े चूहों को युवा बनाने के लिए मल का इस्तेमाल किया। यह आपको थोड़ा अजीबोगरीब लग रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। वैज्ञानिकों ने जब चूहों पर यह प्रयोग किया, तो उनमें युवा चूहों जैसे लक्षण दिखने लगे। वैज्ञानिकों ने जब बुजुर्ग चूहों में युवा चूहों के मल को ट्रांसप्लांट किया, तो बूढ़े चूहों में शरीर के लिए फायदेमंद माइक्रोब्स यानी रोगाणु पहुंच गए। दरअसल यह कोई बुजुर्ग से जवान बनने का तरीका नहीं है। हालांकि जैसे-जैसे इंसान की उम्र बढ़ती जाती है, शरीर कमजोर होता जाता है और आतें भी पहले जैसा काम नहीं करती हैं, लेकिन इससे यह जरूर साफ हुआ है कि अगर आतें मजबूत रहती हैं, तो लंबे समय तक इंसान की

शारीरिक क्षमता मजबूत रह सकती है। फिलहाल सिर्फ चूहों पर इसका प्रयोग किया गया है। इस रिसर्च को माइक्रोबायोम में प्रकाशित किया गया है। इस शोध में बताया गया है कि इस परिकल्पना का टेस्ट किया गया है कि आंतों के माइक्रोबायोटा में हेर-पेर किया जाता है, तो उम्र से संबंधित बीमारियों के बढ़ने पर असर होता है। सबसे खास बात यह है कि असर डालने वाली मस्तिष्क और रेटिना पर सूजन आती है। जब वैज्ञानिकों ने युवा चूहों के मल के रोगाणुओं को बूढ़े चूहों में ट्रांसप्लांट किया, तो इससे सूजन खत्म होने लगी। इसके बाद यह प्रयोग उलट किया गया यानी बूढ़े चूहों के मल के रोगाणुओं को युवा चूहों में ट्रांसप्लांट किया, तो युवा चूहों में आंत की उम्र ज्यादा और सूजन नजर आने लगी। इन लक्षणों में आंत की परत में असर होता हुआ नजर आया। इससे बैक्टीरिया खून में पहुंच सकता है। रेटिनल डिजनरेशन से जुड़े प्रोटीन उच्च स्तर पर पहुंच गए, तो वहीं प्रतिरक्षा कोशिकाएं भी अति-सक्रिय हो गईं। वैज्ञानिक यह समझाना चाहते हैं कि आंत इंसान के सेहत से जुड़ी है। वह मानसिक स्वास्थ हो या शारीरिक। वैज्ञानिकों ने बताया कि चूहों पर रिसर्च से यह साबित हुआ है कि आंतों के माइक्रोबायोटा का हमारे जीवन में बेहद अहम रोल होता है।

घर में बंद रहने को मजबूर सात साल की बच्ची बाहर निकलते ही चकत्तों से भर जाता है शरीर !

जिस उम्र में बच्चे अपने दोस्तों के साथ खेलते-कूदते हैं, जब उनकी उम्र कुछ नया सीखने और समाज में सेट होने की होती है, उस उम्र में एक बच्ची घर में ही कैद होकर रह गई है। इसकी वजह है बच्ची के एक बीमारी (Girl Gets Covered in Hives if She Goes Out), जो बाहरी दुनिया में निकलते ही उसे बेतहाशा दर्द और परेशानी देने लगती है। एथेना कूपर नाम की 7 साल की बच्ची दिखने में तो आम बच्चों की तरह ही है, लेकिन वो न तो अपने दोस्तों के साथ बाहर खेल सकती है और न ही उनके साथ स्विमिंग या किसी और एक्टिविटी में जा सकती है। इसकी वजह है बच्ची की अर्टिकैरिया इस बीमारी ने उसकी जिंदगी को सीमाओं में बांधकर रख दिया है। ज्यादा से ज्यादा वो स्कूल जाकर पढ़ाई कर सकती है, लेकिन बाहर खेलने-कूदने नहीं जा सकती। एथेना की इस दुर्लभ बीमारी का असर 2 साल की उम्र से दिखने लगा। उसके शरीर पर भयानक रैशेज होने लगे। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन की रहने वाली एथेना को डॉक्टर्स ने बताया कि बच्ची को तापमान बदलने से एलर्जी है। मुश्किल ये थी कि तापमान बढ़ने पर भी एलर्जी होती थी और तापमान घटने पर भी। ऐसे में एथेना को घर से बाहर निकलते ही समस्या होने लगती है। गर्मियों में वो पानी में नहीं खेल सकती, न ही वो घर से बाहर टहलने जा सकती है। वक्त के साथ-साथ ये बीमारी ऐसी बढ़ी कि एथेना को तापमान जरा सा बदलते ही शरीर पर लाल चकत्ते होने लगते हैं। बच्ची को फुटबॉल, स्विमिंग जैसे गेम्स का शौक है, लेकिन अपनी बीमारी की वजह से वो कुछ भी नहीं खेल सकती. उसे आइसक्रीम भी खाने के लिए मना किया गया है, क्योंकि इससे भी उसे रैशेज़ आने लगते हैं। छोटी सी बच्ची का पूरा बचपना घर में ही बीत रहा है। पैरेंट्स के मुताबिक रोजाना उसे सुबह ये रैशेज हो जाते हैं।

लोकतंत्र विरोधी संगठन हैं भाजपा आरएसएस : अखिलेश

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह हो चुकी है ध्वस्त

विपक्ष के नेताओं के साथ हो रहा दुर्व्यवहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। मुख्यमंत्री के दावे कितने खोखले है यह थानों में बलात्कार की आए दिन हो रही घटनाओं से प्रमाणित है। भाजपा-आरएसएस लोकतंत्र विरोधी संगठन हैं। भाजपा सरकार में विपक्ष को अपमानित करने की घटनाएं घोर निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के जीवन को खतरा है। उन पर पिछले दिनों कई हमले हुए हैं फिर भी उनकी सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं की जा रही है। विपक्षी जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है। उन्होंने मांग की है कि सभी विपक्षी नेताओं की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें जनता के बीच जाने और उसकी आवाज उठाने में कोई खतरा न हो। गौरतलब है कि अखिलेश यादव से अरविंद राजभर ने भेंट कर ओम प्रकाश राजभर की सुरक्षा पर खतरे की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गाजीपुर के थाना करीमुद्दीनपुर के ग्राम गोशलपुर पहदरिया में ओम प्रकाश राजभर को 20-25 दबंगों ने घेर लिया था। वे लाठी-डंडो से लैस थे। राजभर इसी विधान सभा क्षेत्र से जहूराबाद के विधायक है। ओम प्रकाश राजभर और अरविंद राजभर पर नामांकन के दौरान वाराणसी में भी हमला हुआ था।

ओम प्रकाश राजभर के खिलाफ आपराधिक एवं अवांछनीय तत्वों की कार्यवाहियों की सूचनाओं के बाद भी भाजपा सरकार निष्क्रिय बनी हुई है। ओम प्रकाश राजभर के खिलाफ यह सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। इससे पहले अखिलेश यादव ने कोरोना में हुई मौतों के आंकड़े छिपाने और हर रोज बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र व प्रदेश सरकार को घेरा था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सरकार में महंगाई लगातार बढ़ रही है। बेरोजगारी बढ़ गई हैं। किसानों की आय दोगुनी करने की बजाय उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। कानून और संविधान की अनदेखी की जा रही है। इन सभी मुद्दों पर सरकार बात नहीं करती है लेकिन समाजवादी लोग लगातार संघर्ष करेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आंकड़ों को छिपाती है। अब तो कोरोना से हुई मौत के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया में कोरोना से हुई मौतों के जो आंकड़े जारी किए हैं, उनमें सबसे ज्यादा मौतें भारत में हुई हैं।

इंस्पेक्टर की पत्नी को ट्रक ने रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बर्रा में एक ट्रक ने स्कूटी सवार ट्रैफिक इंस्पेक्टर की पत्नी को रौंद दिया। हैलट अस्पताल में देर रात उनकी मौत हो गई। वहीं, मौके पर गुस्साई भीड़ ने ट्रक में तोड़फोड़ कर आग लगाने की कोशिश की। ड्राइवर को जमकर पीटा। पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया।

तात्याटोपे नगर निवासी इंस्पेक्टर बृजेश पाठक वर्तमान में आगरा ट्रैफिक पुलिस में तैनात हैं। परिवार में पत्नी सोनी और बेटा अंशुमान हैं। अंशुमान कक्षा 6 का छात्र है। सोनी की बहन पिंकी ने बताया कि मंगलवार रात करीब दस बजे दूध लेने के लिए सोनी स्कूटी से निकली थीं। हेलमेट भी लगाए थीं। उसी दौरान गुजैनी की तरफ से बर्रा बाईपास की ओर जा रहे एक ट्रक ने स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे सोनी सड़क पर जा गिरीं। भागने के चक्कर में ट्रक का पहिया सोनी के ऊपर से निकल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस सोनी को एम्बुलेंस से हैलट ले गई। वहां इलाज के दौरान देर रात डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बर्रा इंस्पेक्टर दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि ट्रक जब्त कर लिया गया है।

सीवर टैंक की सफाई करने उतरे युवक की दम घुटने से मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। कोसीकलां थाना क्षेत्र में मंगलवार रात गांव बठैनकलां में सीवर टैंक की सफाई करने उतरे युवक की मौत हो गई। पुत्र को बचाने टैंक में उतरे पिता की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक की मौत का कारण जहरीली गैस के कारण दम घुटना बताया गया है।

पिता की हालत गंभीर, अस्पताल में भर्ती

गांव बठैनकलां में चंचल और मुकेश के मकान में बने सीवर टैंक की सफाई होनी थी। चंचल ने गांव के सुरेंद्र और उसके पुत्र ऋतिक को सफाई कराने के लिए बुलाया था। मंगलवार रात सुरेंद्र ने अपने पुत्र ऋतिक को सफाई कराने के लिए सीवर टैंक में उतार दिया। टैंक छोटा होने के कारण ऋतिक उसमें फंस गया और जहरीली गैस से उसका दम घुट गया। ऋतिक के टैंक में फंसने के बाद उसकी मदद को पिता सुरेंद्र भी उतर गया तो उसका भी दम घुटने लगा। घटना के बाद मकान स्वामी चंचल व मुकेश भाग गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों ने मशक्कत के बाद टैंक में फंसे पिता-पुत्र को बाहर निकाला। तब तक ऋतिक की मौत हो चुकी थी। उसका पिता बेहोश था। पुलिस ने मृतक के पिता सुरेंद्र को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। ऋतिक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय त्यागी ने बताया कि युवक टैंक की सफाई करने उतरा था। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।

देवरिया में डबल मर्डर, तीन गिरफ्तार

सौतेले भाई ने दो सगे भाइयों की गला रेतकर की हत्या, क्षेत्र में दहशत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। गौरी बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम देवतहां टोला छितहीं में आज तड़के पांच बजे घर के बरामदे में सोते समय सौतेले भाई ने दो सगे भाइयों की चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। आरोपी सहित तीन लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

ग्राम देवतहां छितही टोला निवासी श्रीनिवास प्रसाद ने दो शादियां की हैं। श्रीनिवास दुबई में रहकर नौकरी करते हैं। उनके साथ पहली पत्नी कुसुम का पुत्र जितेंद्र भी रहता है जबकि एक पुत्र राजू घर पर ही रहता है। राजू, उसकी मां कुसुम एवं भाभी अर्चना को यह आशंका थी कि उसका पिता अपनी दूसरी पत्नी मंशा देवी को अधिक पैसा भेजते हैं। मंशा के दो पुत्र अजय (19) और अभिषेक (14) हैं। दोनों बुधवार की भोर में घर के बरामदे में एक ही साथ सो रहे थे। मां मंशा शौच के लिए बाहर गई थी। उसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपी राजू ने चाकू से दोनों सगे भाइयों की गला रेत कर हत्या कर दी। आनन-फानन उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। उधर पुलिस ने आरोपी राजू सहित कुसुम देवी व अर्चना देवी को हिरासत में ले लिया है। मौके पर एसपी श्रीपति मिश्र, सीओ रूद्रपुर एवं स्थानीय पुलिस पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लेकर ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है।

तो श्रीलंका की राह पर चल रहा भारत!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने रखे विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। श्रीलंका में आसमान छूती महंगाई और जनता के हिंसक विरोध व प्रदर्शन से हालात बेकाबू हो गए हैं। विवादों में चल रहे प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे के इस्तीफा देने के बाद भी प्रदर्शनकारियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने राजपक्षे के पैतृक घर में आग लगा दी। श्रीलंका में ऐसा क्यों हो रहा है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार राजेश महापात्रा, एनके सिंह, अशोक वानखेड़े, डॉ. अनिल यादव, डॉ. राकेश पाठक, केपी मलिक, एजुकेशनिस्ट शुभ लक्ष्मी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

शुभ लक्ष्मी ने कहा, प्रचंड जीत के साथ राजपक्षे पावर में आए थे। इसके बावजूद श्रीलंका की ऐसी हालत हो गयी है। श्रीलंका का जीडीपी लगातार गिर रहा था लेकिन ध्यान नहीं दिया। इसका नतीजा सबके सामने है। अशोक वानखेड़े ने कहा, इस मुद्दे पर सिंह साहब बढ़िया प्रकाश डालेंगे। एनके सिंह ने कहा श्रीलंका के हालात के कई कारण हैं। आने वाले दस वर्षों तक पॉलिटिकल साइंटिस्ट, सोशल साइंटिस्ट और इकोनामिस्ट इस मसले पर सिर खुजलाएंगे कि ये कैसे हुआ। ये तीनों जो परिवर्तनशील गुणक है, इनका एक मिक्स है। अमेरिकन संविधान के पेपर में लिखा गया जो सबसे बड़ा खतरा है डेमोक्रेसी का। इसको अगर आपने रिड्यूस कर दिया सिर्फ वोट मशीनरी के रूप में तो ये डेमोक्रेसी बैठ जाएगी।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. अनिल यादव ने कहा श्रीलंका जिस रास्ते पर है भारत भी कमोबेश कुछ इसी रास्ते पर चल रहा है। श्रीलंका में महिंद्रा राजपक्षे का गिरोह जो इस देश को चला रहा था, उसी ने लुटिया डुबो दी। राजेश महापात्रा ने कहा, श्रीलंका में आज जो कुछ भी देखने को मिल रहा है यह कोरोना के कारण नहीं हुआ। वहां पहले से ही दिक्कतें थीं। अर्थव्यवस्था नहीं संभली, वैसे ही अर्थव्यवस्था भारत की हो रही है। हालांकि भारत बड़ी इकोनामी है। आगे कहा, जब आदमी के सामने रोजी-रोटी का संकट आता है तो वह सब कुछ भूल जाता है। श्रीलंका ही नहीं भारत में भी सुधार नहीं हुआ तो ऐसी स्थिति बन सकती है। डॉ. राकेश पाठक ने कहा पेट की भूख बड़ी है। यह किसी भी आग को भड़का सकती है। चेहरों में छिपे हुए जो भी तानाशाह होते हैं, उनका अंत ऐसा ही होता है। श्रीलंका के हालातों पर एक कवि की रचना याद आती है... हर एक सिकंदर का अंजाम यही देखा कि मिट्टी में मिली मिट्टी, पानी में मिला पानी। परिचर्चा में केपी मलिक ने भी अपने विचार रखे।

ललितपुर : एसआईटी के हवाले थाने में नाबालिग से दुष्कर्म मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आरोपी थानाध्यक्ष समेत छह लोगों को किया जा चुका है गिरफ्तार

ललितपुर। पाली थाने में गैंगरेप पीड़िता नाबालिग से थानाध्यक्ष के रेप मामले की जांच अब एसआईटी के हवाले कर दी गयी है। अपर पुलिस महानिदेशक ने मंगलवार को एसआईटी का गठन किया है, जिसमें झांसी के एसपी सिटी विवेक त्रिपाठी के अलावा झांसी और ललितपुर के एक-एक सीओ को भी शामिल किया गया है।

दुष्कर्म पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसे बयान दिलाने के बहाने थाने बुलाया गया जहां थानाध्यक्ष ने थाना परिसर में स्थित अपने कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में थानाध्यक्ष, पीड़िता की मौसी और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता की मां ने बताया था कि चार लोग 22 अप्रैल को उनकी नाबालिग बेटी को भोपाल ले गए थे। इस दौरान मां ने अपनी बेटी को खोजने के लिए एसपी से भी गुहार लगाई, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। छानबीन शुरू होने पर लड़की की मौसी 26 अप्रैल को आरोपियों के साथ किशोरी को लेकर थाने पहुंची। इसके बाद वहां तैनात तत्कालीन थानाध्यक्ष ने किशोरी को उसकी मौसी के हवाले कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि थानाध्यक्ष ने बयान के बहाने उसे थाने में बुलाया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

आजम खां मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा

एक में बेल मिली तो दूसरा केस दर्ज ऐसा क्यों हो रहा है आजम के साथ

» जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने की तल्ख टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीतापुर जेल में बंद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक आजम की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की। दरअसल आजम खां को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मामले में जमानत मिल गई, लेकिन इसके बावजूद आजम खान जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल ही में आजम खान पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया, जिसकी सुनवाई होनी बाकी है।

आज जब आजम खान मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही थी और इस दौरान यूपी सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि आजम खान को 88 मामलों में जमानत मिल चुकी है। लेकिन उनके खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हो गया है, जिसके कारण वो अभी जेल से जमानत पर बाहर नहीं आ पाएंगे। यूपी सरकार के वकील ने ये भी बताया कि आजम खान के खिलाफ दर्ज हर एक मुकदमा एक-दूसरे से अलग है। यूपी सरकार के जवाब के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए पूछा कि एक ही आदमी पर 89 मुकदमे कैसे दर्ज हो सकते हैं? ये एक ट्रेंड बन चुका है। जब एक केस में जमानत मिलती है तो दूसरा मुकदमा दर्ज हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में यूपी सरकार को हलफनामा दाखिल करने की इजाजत दी है और अगले हफ्ते मंगलवार को एक बार फिर सुनवाई होगी।

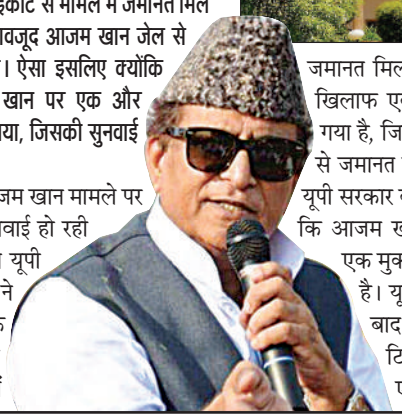

रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी पहुंची ईडी की टीम

रामपुर शहर विधायक आजम खां पर ईडी ने भी उन पर शिकंजा कस दिया है। ईडी की टीम जांच पड़ताल के लिए जौहर यूनिवर्सिटी पहुंच गई है। ईडी के संयुक्त निदेशक अमित मिश्रा के नेतृत्व में टीम जौहर यूनिवर्सिटी में रिकॉर्ड खंगाल रही है। तहसीलदार प्रमोद कुमार भी लेखपालों के साथ पहुंच गए हैं। इस मामले में भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने ढाई साल पहले शिकायत दर्ज कराई थी कि आजम खां ने विदेश से पैसा लिया है और उसे जौहर यूनिवर्सिटी में लगाया गया है। नियमों का उल्लंघन किया गया है। इसकी जांच कराई जाए। तब ईडी ने मनी लांड्रिंग में केस दर्ज कर लिया था। साथ ही प्रशासन ने ईडी को जांच रिपोर्ट भेजी थी।

बेटे अब्दुल्ला और पत्नी के खिलाफ गैर जमानती वारंट

आजम खां के बाद अब उनकी पत्नी और बेटे की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम और पत्नी तंजीन फातिमा के खिलाफ अब गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए गए हैं। दरअसल, दो जन्म प्रमाण पत्र के मामले में उनको एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होना था, लेकिन दोनों गैरहाजिर रहे। इसके बाद उनके खिलाफ कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए। इस मामले में अगली तारीख 16 मई निर्धारित की गई है।

सपा विधायक समेत चार लोगों पर एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर के सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी पर एक बार फिर मुकदमा दर्ज हुआ है। इस बार इंस्पेक्टर कल्याणपुर अजय सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है। यह मामला तब का है, जब छह दिन पहले विवादित जमीन खाली कराने के लिए इंस्पेक्टर एक स्थान पर आदेश लेकर पहुंचे हुए थे। वहां आदेश को फर्जी बताकर सपा विधायक ने अपने सहयोगियों के संग हंगामा किया था। इस मामले में सपा विधायक समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

इंस्पेक्टर कल्याणपुर अजय सिंह की तहरीर पर सपा विधायक अमिताभ बाजपेई के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालना समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर खादी ग्रामोद्योग भवन, गांधी प्रतिष्ठान के आसपास अवैध कब्जेदारों को खाली कराने पहुंची जिला प्रशासन की टीम को रोकने वाले मामले में की गई है। एफआईआर के बाद सपा विधायक ने इंसाफ के लिए सड़क पर उतरने की चेतावनी दी है।

एलयू के प्रो. रविकांत पर जानलेवा हमला बुद्धिजीवियों ने की निंदा

» विवि में एबीवीपी का हंगामा, दलित चिंतक रविकांत को दी जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सामाजिक चिंतक और टीवी पैनलिस्ट प्रोफेसर रविकांत चंदन पर जानलेवा हमला हुआ है। लखनऊ यूनिवर्सिटी में प्रो. रविकांत ने लिखित शिकायत दी है कि एबीवीपी के छात्रों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और उनके साथ गाली-गलौच की। हमलावरों में कॉलेज से बाहर के लोग भी शामिल थे, जिन्होंने गद्दारों को गोली मारो जैसे नारे लगाए। प्रो. रविकांत के समर्थन में पत्रकार, लेखक और बुद्धिजीवियों ने एक खुला पत्र लिखकर अपना विरोध जताया है।

राजनीतिक विश्लेषक प्रो. रविकांत ने बताया कि वे दलित समुदाय से आते हैं और उनकी आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। सत्य हिन्दी वेब पोर्टल पर काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर हुई डिबेट में मैंने सीता रमैया की किताब का जिक्र किया था। उसी के हवाले से उनकी बाइट को मनमाने ढंग से काटकर प्रचारित किया गया और उन पर हिन्दू विरोधी होने के आरोप लगाए गए। रविकांत ने कहा बीते दो दिन पहले सत्य हिंदी की डिबेट में पटाभी सीता रमैया ने जो किताब फेदर्स एंड स्टोन्स में जिस कहानी को लिखा है, उसी का जिक्र मैंने किया। उन्होंने कहा एक शिक्षक का काम पढ़ने-पढ़ाने का माहौल बनाना होता है, जिज्ञासाओं को बढ़ाना होता है और वे यही काम करते रहे हैं। मगर कुछ लोग खास राजनीतिक दल से प्रभावित होकर इस प्रक्रिया को बाधित करने में जुटे हैं। ऐसे लोग कैम्पस का माहौल खराब कर रहे हैं। लखनऊ के हसनगंज में एफआईआर दर्ज कराने का अनुरोध करते हुए प्रो. रविकांत ने जान से मारने की धमकी देने, जान मारने के लिए उकसाने और अपमानजक जातिगत टिप्पणी करने की शिकायत की है। अपनी और अपने परिवार की जानमाल की हिफाजत के लिए भी पुलिस से आग्रह किया है।

एबीवीपी के छात्रों के हंगामे के बाद विवि परिसर में तनाव

टिप्पणी के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रो. रविकांत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्हें विवि परिसर में घेरकर आपत्तिजनक नारेबाजी की। एबीवीपी के छात्रों के हंगामे के बाद से विवि परिसर में तनाव है। प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर परिसर में पुलिस बल तैनात है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने प्रॉक्टर ऑफिस में तोड़फोड़ भी की। दरअसल मंगलवार सुबह जब रविकांत अपने विभाग में पढ़ा रहे थे। उसी समय विवि के मुख्य द्वार पर उनके खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गया। एबीवीपी के सौम्या श्वेतांशु ने कहा कि छात्र मांग करते हैं कि प्रो. रविकांत चन्दन हमसे माफी मांगे। अन्यथा आन्दोलन जारी रहेगा।

फोटो: 4पीएम

औचक निरीक्षण राजधानी लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया ने आज प्रातः इंदिरानगर वार्ड में सफाई कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वह नालियों में कूड़ा देख भड़क उठीं। उन्होंने जोनल सेक्रेटरी को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्यदायी संस्था को निलंबित कर दिया। साथ ही अगली बार लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। इसके अलावा महापौर ने मुंशीपुरवा गांव में खराब गुणवत्ता से बनी नाली के भी जांच के निर्देश दिए।

मथुरा पहुंचे स्वतंत्र देव, जानी विकास कार्यों की प्रगति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह आज सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने बांकेबिहारी मंदिर में ठाकुरजी के दर्शन कर पूजा की। इसके बाद पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों से बात की।

जिले के अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास योजनाओं की प्रगति जानी। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मंगलवार रात को ही मथुरा पहुंच गए। रात में वह अघोर पीठ पहुंचे। उन्होंने महामंडलेश्वर बाल योगेश्वर आनंद से मुलाकात की। इस दौरान बाल योगेश्वर जलशक्ति मंत्री को मथुरा-वृंदावन में यमुना की दयनीय स्थिति से अवगत कराया। स्वतंत्र देव सिंह ने सरकारी गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम किया। कैबिनेट मंत्री बुधवार की सुबह सबसे पहले वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन करने मंदिर पहुंचे। सेवायतों ने उन्हें पूजा कराई। इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जिले के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से मुलाकात की। विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक जिले की विकास योजनाओं की समीक्षा की।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।